

# हम कौन थे By मैथिली शर्मा

गुप्त

अस कौन है, के बन गे ते के बन गे।  
आओ विचार ये अजब मिलीय के विवता पई गे।

तरती का मान, ऊदरत दि पवित्र साहर लुल्ये है  
शौना गिरी हिमालय, ते गंगा जल लुल्ये है  
साहे मुल्ये कौला, लस मुल्ये च समृद्धि है  
ओहा जो तपधि तरती है, ओ कौन भारतवर्ष है।

ओ तरती मशूर है जिंदे निवासी आर्य न  
विद्या लला कौशल्य सनदे, जे प्रथम आचार्य न  
अथाणे उंदे अजब यथापि, अस अधो गति च पईगे।  
पर चिअ उंदी महिमा दे। वी खड़ाई गे।

ओह आर्य है जेहें लदे अपन आस्त जींदे नई  
ओह स्वार्थ रत और मो दि मदिरा लदे, पीती नई  
ओह मंदिनी तल च सुकृति दे वी रादे सुदा  
पर दुख दिक्खिये दयालुता लने, दवित आदे ऐहें सदा

दुनिया दे परीपकार आस्त, जिसले जन्म लेदे हे लोग  
निश्चयत ओईए ~~स~~ जिस तरा, वेंडे सनदे हे लोग  
फैला इत्युंआ ज्ञान दा, आलोक सारे संसार च  
इत्युंआ हि जगादि रह, लो सारे संसार च

ओ आकर्षण मुक्त है। आजाद ते आजाद है  
सम्मूर्ण सुख अथुक्त है, ओ शांति दे शिखर च है  
पन, वचन, लम लने ओह भजन च लीन है  
ओह मशहूर ब्रह्मानंद है, मनेकर मीन है।  
मनोअर

Translated By: Daya Mishra,  
Dept. of English,